अध्याय - 7| स्वयं प्रकाश- 'नेताजी का चश्मा'

QUIZ-01

1. 'नेताजी का चश्मा' पाठ के लेखक कौन हैं?
   A. स्वयं प्रकाश
   B. रामवृक्ष बेनीपुरी
   C. यशपाल
   D. यतींद्र मिश्र (A)

व्याख्या : 'नेताजी का चश्मा' पाठ के लेखक स्वयं प्रकाश हैं, जो व्यंग्य लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं।

2. 'नेताजी का चश्मा' किस प्रकार का पाठ है?
   A. निबंध
   B. वृत्तांत यात्रा
   C. कहानी
   D. एकांकी (C)

व्याख्या : यह एक व्यंग्यात्मक कहानी है जिसमें मूर्ति स्थापना और उसमें हुए हास्यास्पद परिवर्तन को दर्शाया गया है।

3. पाठ के अनुसार मूर्ति बनाने का अवसर किसे दिया गया था?
   A. स्थानीय कलाकार को
   B. मोतीलालजी को
   C. सरकारी कार्यालय को
   D. इनमें कोई नहीं (B)

व्याख्या : कहानी में नेताजी की मूर्ति बनाने का कार्य मोतीलालजी को सौंपा गया था।

4. मोतीलालजी ने मूर्ति बनाने का कार्य कब तक पूरा करने का आश्वासन दिया?
   A. महीने भर में B. हफ्ते भर में
   C. सप्ताह भर में D. इनमें कोई नहीं (A)

व्याख्या : मोतीलालजी ने मूर्ति एक महीने में तैयार करने का वादा किया था।

5. 'नेताजी का चश्मा' पाठ में देशभक्त किसे कहा गया है?
   A. हालदार साहब को
   B. कैप्टन चश्मे वाले को
   C. सामान्य आदमी को
   D. इनमें कोई नहीं (B)

व्याख्या : पाठ में व्यंग्यात्मक ढंग से बताया गया है कि कैप्टन चश्मे वाले को देशभक्त समझा गया।

6. हालदार साहब किसे देखकर आश्चर्यचकित हो गए थे?
   A. पानवाले को
   B. मूर्ति को
   C. कैप्टन चश्मे वाले को
   D. इनमें कोई नहीं (C)

व्याख्या : हालदार साहब उस बूढ़े व्यक्ति को देखकर चौंक गए जो हूबहू नेताजी की मूर्ति जैसा दिखता था।

7. पाठ के अनुसार कैप्टन देखने में कैसा था?
   A. मरियल – सा
   B. बेहद बूढ़ा
   C. लँगड़ा
   D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : कैप्टन के बारे में यही विवरण दिया गया है – वह मरियल, बूढ़ा और लँगड़ा था।

8. कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब किस मूर्ति को ध्यान से देखते थे?
   A. नेताजी की
   B. कैप्टन की
   C. चश्मे वाले की
   D. इनमें कोई नहीं (A)

व्याख्या : हालदार साहब प्रतिदिन नेताजी की मूर्ति को बड़े ध्यान से देखा करते थे।

9. मूर्ति को देखकर हालदार साहब के मन में कैसे भाव उठते थे?
   A. आश्चर्य और चिंतन के
   B. कौतुक और प्रफुल्लता के
   C. दुविधा और संशय के
   D. इनमें कोई नहीं (B)

व्याख्या : मूर्ति की स्थिति और परिवर्तन देखकर हालदार साहब के मन में कौतुक और हास्यपूर्ण आनंद उत्पन्न होता था।

10. हालदार साहब के मन में कौतुक और प्रफुल्लता के भाव क्यों उठते थे?
   A. बदलते चश्मों को देखकर
   B. मूर्ति को देखकर
   C. कैप्टन को देखकर
   D. इनमें कोई नहीं (A)

व्याख्या : मूर्ति पर लगाए जाने वाले अलग-अलग प्रकार के चश्मों को देखकर हालदार साहब को हास्य और आनंद की अनुभूति होती थी।

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें। 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES